

Padma Shri



SMT. TRINITY SAIOO

Smt. Trinity Saioo, a mother of 6 children comprising of 3 sons and 3 daughters lives in Mulieh Village in West Jaintia Hills District of Meghalaya. Her village, a nondescript village comprises of 230 household and practicing traditional agriculture. What is unique about this village is the fact that all the households here now grow the prized Lakadong Turmeric, because of the innovative and hard work of one lady farmer, who led from the front with exemplary and steadfast leadership. Lakadong CD Block of West Jaintia Hills District of Meghalaya has become very popular due to above 7.5% high market demand of its unique taste, flavor, aroma and vibrant yellow color.

2. Born on 1st December, 1972, Smt. Saioo, being a teacher, took burden upon herself to help her fellow villagers and approached Spices Board in Shillong for help. Because of the help from Spices Board and her efforts, farmers of Mulieh Village were transformed economically due to the switch over to Lakadong variety which fetches them double their previous earnings. She motivated two of her fellow farmers and as a result they have been able to construct their own houses from growing Lakadong variety of Turmeric.

3. Since then, there was no turning back for this village. Smt. Saioo started motivating other farmers from adjoining Village of Madankynsaw, Mynktung, Rting, Pyntei and Laskein to switch over to Lakadong variety. She mobilized about 800 farmers to cultivate villages as ICAR research has also indicated uniqueness of this ecological situations which enable the Lakadong variety to perform exceedingly well while yielding very high curcumin content, compared to other geographical locations in the state.

4. Smt. Saioo's vocal nature and strong leadership qualities helped her to push forward with her mission. With 800 farmers, she started a co-operative society known as "Leng Skhem Spice Society". She also associated her Society with "Life Spice Federation of Self Help Groups of Laskein CD Block in order to rejuvenate this federation.

5. In early 2018, when the State Government was exploring ways to expand production of Lakadong Turmeric in Laskein CD Block, Smt. Saioo was in the forefront of nudging the State Government to launch 'Lakadong Turmeric Mission' with the objective of upscaling its production. Today 100 numbers of Turmeric SHG's are working under her federation.

6. On 15th October 2018, Smt. Saioo was felicitated for her valuable contribution and innovative work by the Union Ministry during the celebration of Mahila Kisan Divas 2018, held at NASC Complex, Pusa New Delhi. She also received the Award in person from the Union Minister of Agriculture, Shri Radha Mohan Singh at a glittering function graced by 40 other successful farm women from across the country.



श्रीमती ट्रिनिटी सायो

श्रीमती ट्रिनिटी सायो छह बच्चों की मां हैं, जिनमें से तीन पुत्र और तीन पुत्रियां हैं। वह मेघालय के वेस्ट जयन्तिया हिल्स जिले के मुलीह गांव में रहती हैं। उनका गांव एक गैर-चर्चित गांव है, जिसमें 230 परिवार रहते हैं और परंपरागत खेती का काम करते हैं। इस गांव की सबसे निराली बात यह है कि यहां के परिवार अब बढ़िया किस्म की लेकाडॉंग हल्दी की खेती करते हैं। इसका कारण एक महिला किसान का अभिनव प्रयोग और कड़ा परिश्रम है, जिसने आगे आकर अनुकरणीय और दृढ़ नेतृत्व का प्रदर्शन किया है। लेकाडॉंग हल्दी अपने आप में अनोखे स्वाद, रस, सुगंध से भरपूर और चमकीले पीले रंग की होती है। इसकी 7.5 प्रतिशत से अधिक की बाजार मांग होने की वजह से मेघालय स्थित वेस्ट जयन्तिया हिल्स जिले का लेकाडॉंग सीडी ब्लॉक बहुत लोकप्रिय हो गया है।

2. 1 दिसम्बर, 1972 को जन्मी, श्रीमती ट्रिनिटी सायो एक अध्यापक होने के नाते उन्होंने स्वयं, साथी ग्रामवासियों की मदद करने का दायित्व अपने ऊपर लिया और सहायता के लिए शिलांग स्थित मसाला बोर्ड से संपर्क किया। मसाला बोर्ड की मदद और उनके प्रयासों के परिणामस्वरूप मुलीह गांव के किसानों द्वारा लेकाडॉंग किस्म की हल्दी की खेती अपनाने से उनकी आर्थिक स्थिति में बदलाव आया, इस प्रयास ने उनकी आमदनी को दोगुना कर दिया। उन्होंने अपने दो साथी किसानों को प्रेरित किया और इसके परिणामस्वरूप वह हल्दी की लेकाडॉंग किस्म की खेती से प्राप्त आमदनी से अपने घर बनाने में कामयाब हुए हैं।

3. इसके बाद इस गांव ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने अपने गांव से सटे मदनकिंसव, मिकटुंग, आरटिंग, पाइंती और लासकिन गांवों के अन्य किसानों को भी लेकाडॉंग किस्म की हल्दी की खेती करने के लिए प्रोत्साहित करना शुरू किया। उन्होंने गांवों के लगभग 800 किसानों को इस तरह की खेती के लिए तैयार किया। आईसीएआर ने भी इसकी अनूठी पारिस्थितिकी का वर्णन किया है, जिसमें राज्य में अन्य परिस्थितिकीय स्तनों की तुलना में बहुत अधिक करक्यूमिन तत्व वाली लेकाडॉंग किस्म की हल्दी की उच्च पैदावार होती है।

4. अपने बातूनी स्वभाव और दृढ़ नेतृत्व के गुणों से उन्होंने अपने मिशन को आगे बढ़ाने में सफलता अर्जित की। उन्होंने 800 किसानों के साथ "लेंग खेम स्पाइस सोसायटी" के नाम से एक सहकारी समिति का शुभारंभ किया। उन्होंने अपनी सोसायटी को "सीडी ब्लॉक लेस्किन के लाइफ स्पाइस फेडरेशन ऑफ सेल्फ हेल्प ग्रुप्स" नामक फेडरेशन में नयी ऊर्जा संचार करने के लिए इसके साथ जोड़ लिया।

5. वर्ष 2018 की शुरुआत में, जब राज्य सरकार लेस्किन सीडी ब्लॉक में लेकाडॉंग हल्दी के उत्पादन को बढ़ाने के तरीके खोज रही थी, तो वहीं श्रीमती सायो इसके उत्पादन को बढ़ाने के उद्देश्य से 'लेकाडॉंग टर्मरिक मिशन' का शुभारंभ करने हेतु राज्य सरकार पर दबाव बनाने में सबसे आगे थीं। आज उनके फेडरेशन के तहत 100 स्वयं सहायता समूह कार्य कर रहे हैं।

6. दिनांक 15 अक्टूबर, 2018 को केन्द्रीय मंत्रालय द्वारा एनएसएससी परिसर, पूसा, नई दिल्ली में आयोजित महिला किसान दिवस, 2018 समारोह के दौरान उनके बहुमूल्य योगदान और नवान्वेषी कार्य के लिए उन्हें सम्मानित किया गया। एक भव्य कार्यक्रम में उन्हें केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री राधा मोहन सिंह से व्यक्तिगत रूप से भी पुरस्कार प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम में पूरे देश से आई 40 अन्य सफल किसान महिलाएं मौजूद थीं।